

## फ्यूचर ऑफ जॉब्स रपिर्ट, 2025

### प्रलिस के लयि:

वशिव आरथकि मंच (WEF), फ्यूचर ऑफ जॉब्स रपिर्ट, ग्रीन ट्रांजशिन, AI, नवीकरणीय ऊर्जा, कम आय वाली अरथव्यवस्थाएँ, हतिधारक पूंजीवाद, वशिव प्रतसिपरद्घातमक सूचकांक, वैश्वकि लैंगकि अंतराल सूचकांक, ऊर्जा संकरमण सूचकांक, वैश्वकि जोखमि रपिर्ट, वैश्वकि यात्रा एवं पर्यटन प्रतसिपरद्घातमकता सूचकांक, GenAI, अर्द्धचालक, क्वांटम, एनकरपिशन ।

### मेन्स के लयि:

वैश्वकि शर्म बाज़ारों में तकनीकी प्रगतिका प्रभाव ।

स्रोत: हदिसतान टाइम्स

## चर्चा में क्यों?

वशिव आरथकि मंच (WEF) द्वारा 'फ्यूचर ऑफ जॉब्स रपिर्ट, 2025' को जारी कया गया, जसिमें वर्ष 2030 तक वैश्वकि रोज़गार बाज़ार को आकार देने वाले प्रमुख रुझानों एवं परिवर्तनों पर प्रकाश डाला गया है ।

- 55 अरथव्यवस्थाओं से प्राप्त इनपुट के आधार पर तैयार की गई इस रपिर्ट में वर्ष 2030 तक 78 मिलियन नौकरयों की शुद्ध वृद्धिका अनुमान लगाया गया है तथा इस बात पर प्रकाश डाला गया है ककिसि प्रकार प्रौद्योगिकी, आरथकि बदलाव एवं हरति परिवर्तन से रोज़गार एवं कौशल पर प्रभाव पड़ता है ।

## WEF रपिर्ट के मुख्य नषिकर्ष क्या हैं?

- उभरते कषेत्र: सबसे तेजी से उभरते कषेत्र में फ्रंटलाइन रोज़गार (कृषि शर्मकि, डलिवरी), देखभाल अरथव्यवस्था, तकनीकी भूमिकाएँ और ग्रीन ट्रांजशिन से संबधति रोज़गार शामिल हैं ।
- कम प्रभाव वाले कषेत्र: इस रपिर्ट में पाया गया है ककैशयिर, डाटा एंट्री क्लर्क एवं बैंक टेलर जैसी लपिकीय भूमिकाओं में काफी गरिवट आने की संभावना है ।
- रोज़गार का वसिथापन और सृजन: स्वचालन, नवीकरणीय ऊर्जा में नविश और वृद्ध होती आबादी के कारण रोज़गार कम हो रहे हैं लेकनि नई तकनीक एवं मशीन प्रबंधन समबन्धी भूमिकाओं में वृद्धि हो रही है ।
  - धीमी आरथकि संवृद्धि के कारण वैश्वकि स्तर पर 1.6 मिलियन रोज़गार समाप्त होने की आशंका है ।
- तकनीकी उन्नति: डिजिटल पहुँच का वसितार सबसे अधिक परिवर्तनकारी प्रवृत्ति है, 60% नयिकताओं को उम्मीद है ककिससे वर्ष 2030 तक व्यवसायों का स्वरूप बदल जाएगा ।
  - उच्च कौशल की मांग वाली प्रमुख प्रौद्योगिकियों में कृत्रमि बुद्धमिता (AI) और सूचना प्रसंस्करण (86%), रोबोटिक्स तथा स्वचालन (58%) और ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ (41%) शामिल हैं ।
- हरति परिवर्तन: जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन प्रवृत्तियों से अकषय ऊर्जा इंजीनयिरों, पर्यावरण इंजीनयिरों और इलेक्ट्रिक तथा स्वायत्त वाहनों के वशिषज्जों जैसी भूमिकाओं की मांग बढ़ रही है ।
- जनसांख्यिकीय बदलाव: वृद्ध होती आबादी एवं कम होते कार्यबल से शर्म आपूर्ति प्रभावति होती है ।
- उच्च आय वाली अरथव्यवस्थाओं में वृद्धावस्था के कारण स्वास्थय सेवा की मांग बढ़ जाती है जबककि नमिन आय वाली अरथव्यवस्थाओं में बढ़ते कार्यबल के कारण शकिकषकों तथा प्रतभिशाली प्रबंधकों की मांग बढ़ जाती है ।
- भू-आरथकि वखिंडन: भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार प्रतर्बिध 34% संगठनों में व्यापार मॉडल परिवर्तन को प्रेरति कर रहे हैं ।
  - व्यवसायों द्वारा अपने प्रचालन को वदिश में स्थानांतरति करने और पुन: वदिश में हसतांतरति करने की अधिक संभावना है ।
  - भू-राजनीतिक तनाव सुरक्षा भूमिकाओं और साइबर सुरक्षा कौशल की मांग को बढ़ा रहे हैं ।
- भारत से संबधति नषिकर्ष: भारत AI कौशल नामांकन में अग्रणी है, तथा कॉर्पोरेट प्रायोजन से GenAI प्रशकिकषण को काफी बढ़ावा मलि रहा है ।
- भारत में नयिकता वैश्वकि तकनीक अपनाने में तेजी लाने का लक्ष्य रखते हैं, 35% नयिकता सेमीकंडक्टर और कंप्यूटगि प्रौद्योगिकियों से तथा

21% नयिकता [कवांटम और एनकरपिशन](#) से परचालन में परिवर्तन की उम्मीद करते हैं।

- भारत और उप-सहारा अफ्रीकी देश, आने वाले वर्षों में लगभग दो-तर्हाई नए कार्यबल की आपूर्ति करेंगे।

## वशिव आर्थिक मंच (WEF)

- **परचिय:** WEF सार्वजनिक-नज़ी सहयोग के लिये एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसका मुख्यालय ज़नैवा, स्विट्ज़रलैंड में स्थित है।
  - यह उद्योगों, क्षेत्रों और वैश्विक स्तर पर एजेंडा को आकार देने के लिये वैश्विक नेताओं को शामिल करता है।
- **आधार :** वर्ष 1971 में क्लॉस श्वाब द्वारा यूरोपीय प्रबंधन फोरम के रूप में स्थापित, WEF ने "हतिधारक पूंजीवाद" की शुरुआत की, जो शेरधारकों के लिये न केवल अल्पकालिक लाभ पर बल्कि सभी हतिधारकों के लिये दीर्घकालिक मूल्य पर ज़ोर देता है।
- **विकास:** वर्ष 1973 में WEF ने अपना ध्यान आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित किया। इसने वर्ष 1975 में वशिव की अग्रणी 1,000 कंपनियों के लिये सदस्यता की शुरुआत की।
  - वर्ष 1987 में इसे वशिव आर्थिक मंच का नाम दिया गया, जिससे संवाद के लिये एक मंच के रूप में इसकी भूमिका व्यापक हो गई। वर्ष 2015 में इसे एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में मान्यता दी गई।
- **प्रमुख रपिर्ट:** WEF प्रमुख रपिर्टें प्रकाशित करता है, जिसमें [वैश्विक प्रतिसिपर्द्धात्मकता सूचकांक](#), [वशिव लैंगिक अंतर सूचकांक](#), [ऊर्जा संक्रमण सूचकांक](#), [वैश्विक जोखिम रपिर्ट](#) और [वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन प्रतिसिपर्द्धात्मकता सूचकांक](#) शामिल हैं।

## उभरती प्रौद्योगिकियों के कारण भारत में रोज़गार के लिये क्या चुनौतियाँ हैं?

- **रोज़गार वसिथापन:** अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के अनुसार, वनिरिमाण एवं सेवा जैसे क्षेत्रों में दोहराव वाले कार्यों का संचालन हो रहा है, जिसके कारण संभावित रूप से रोज़गार का वसिथापन हो रहा है।
- **कौशल की कमी:** AI, साइबर सुरक्षा और डेटा साइंस में वशिषज्ञता की बढ़ती आवश्यकता है। हालाँकि कार्यबल के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से में वशिष कौशल का अभाव है, जिससे रोज़गार की आवश्यकताओं और उपलब्ध प्रतभि के बीच अंतर देखने को मलित है।
- **असमान प्रौद्योगिकी अपनाना:** शहरी क्षेत्र तीव्रता से नवीन प्रौद्योगिकियों को अपना रहे हैं, जबकि इस मामले में ग्रामीण क्षेत्र पीछे हैं, जिसके कारण रोज़गार के अवसरों और आर्थिक विकास में असमानताएँ उत्पन्न हो रही हैं।
- **अनौपचारिक क्षेत्र की चुनौतियाँ:** अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों, जो भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, को प्रशिक्षण और शक्ति तक पहुँच की कमी के कारण प्रौद्योगिकी-संचालित नौकरियों में बदलाव करना कठिन हो सकता है।

## आगे की राह

- **उन्नत कौशल:** सरकारों, व्यवसायों और शैक्षिक संस्थानों को उभरते क्षेत्रों के अनुरूप वशिष कौशल उन्नयन कार्यक्रम बनाने के लिये सहयोग करना चाहिये।
  - नयिकताओं को कर्मचारियों को घटती भूमिकाओं से बढ़ती भूमिकाओं में परिवर्तन में मदद करने के लिये कैरियर प्रगतिके मार्ग बनाने चाहिये।
- **वविधिता, समानता और समावेशन (DEI):** कंपनियों को वविधिता भरती कार्यक्रमों में नविश करना चाहिये, जिसका लक्ष्य कम प्रतनिधित्व वाले समुदायों और क्षेत्रों तक पहुँचना है, जिससे प्रतभि समूह में वृद्धि हो सके।
- **कार्यबल के लिये AI को अपनाना:** मानव रचनात्मकता और AI दक्षता के मशिर्ण को अपनाना, जहाँ मनुष्य और मशीनें प्रतसिपर्द्धा करने के बजाय सहयोग कर सकें, जिससे रोज़गार का त्याग किये बगैर उत्पादकता में सुधार हो सके।
- **प्रतभि को बनाए रखना:** नयिमति वेतन समीक्षा करना, पारशिर्मक पारदर्शिता सुनिश्चित करना, तथा प्रतधारण और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिये [सुटॉक वकिलप](#), [बोनस](#) और [लाभ](#) जैसे प्रोत्साहन प्रदान करना।
- **सार्वजनिक नीतिका समर्थन:** सरकारों को पुनः कौशल प्रदान करने और उच्च कौशल प्रदान करने हेतु पहलों को वतितपोषित करना चाहिये, वशिष रूप से प्रौद्योगिकी से प्रभावित उद्योगों के लिये, साथ ही वसिथापित श्रमिकों के लिये पुनः प्रशिक्षण, वतित्तीय सहायता और रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिये।

## नषिकर्ष

WEF की 'फ्यूचर ऑफ़ जॉब्स रपिर्ट 2025' में कौशल वृद्धि, तकनीकी बदलावों के अनुकूल होने और कार्यबल में वविधिता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है। सरकारों और व्यवसायों को भविष्य की नौकरी की मांगों को पूरा करने के लिये कौशल, AI और समावेशी विकास रणनीतियों में नविश करके लचीले श्रम बाज़ार नरिमाण के लिये सहयोग करना चाहिये।

दृष्टिमुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: वर्ष 2030 तक वैश्विक श्रम बाज़ारों पर तकनीकी प्रगत और आर्थिक स्थितियों के प्रभाव पर चर्चा कीजिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

????????????

प्रश्न 1. वैश्विक प्रतस्पर्द्धात्मकता रिपोर्ट कसिके द्वारा प्रकाशित की जाती है? (2019)

- (a) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (b) व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन
- (c) विश्व आर्थिक मंच
- (d) विश्व बैंक

उत्तर: (c)

प्रश्न 2. नमिनलखिति में से कौन विश्व के देशों को 'ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स' रैंकिंग प्रदान करता है? (2017)

- (a) विश्व आर्थिक मंच
- (b) संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद
- (c) संयुक्त राष्ट्र महिला
- (d) विश्व स्वास्थ्य संगठन

उत्तर: (a)

**??????**

1. 'समावेशी संवृद्धि' के प्रमुख अभिलक्षण क्या हैं? क्या भारत इस प्रकार के संवृद्धि प्रक्रम का अनुभव करता रहा है? विश्लेषण कीजिये एवं समावेशी संवृद्धि हेतु उपाय सुझाइये। (2017)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/future-of-jobs-report-2025>

